RNI No#MPBIL/2013/49052

# INVESTMENT AVENUES®

## इन्वेस्टमेंट ऐवेन्यूस

भोपाल, शनिवार, 21 से 27 जनवरी 2024 | भोपाल, मध्यप्रदेश से प्रकाशित | वर्ष-13 | अंक- 02 | पृष्ठ-8 | मूल्य- रु. 5/-

# भारत की ओर देख रही पूरी दुनिया

■ प्रदीप करम्बेलकर
एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर बीएनआई भोपाल,
एम.डी. विजन इन्वेस्ट टेक प्राइवेट लिमिटेड

**जब** पूरी दुनिया निराशा में दिखाई दे रही है, तब भारत पूर्ण रूप से ऊर्जा से भरा है। वर्तमान में भारत सबसे अधिक युवा लोगों की जनसंख्याा वाला देश है। आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। पूरे विश्व में भारत की चेतना और सामर्थ्य के प्रति आकर्षण, नया विश्वास पैदा हुआ है। पूरे विश्व को भारत में नयी ज्योति नजर आ रही है। आज वैश्विक जीडीपी में हमारी भागीदारी लगभग सात-आठ प्रतिशत है। हमने अपनी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को दुनिया के विकसित देशों में शामिल कराने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। अभी हमारी प्रति व्यक्ति आय लगभग 2,100 डॉलर है। जबकि आज उच्च आय वाला देश उसे माना जाता है, जहां प्रति व्यक्ति आय 12 हजार डॉलर से अधिक हो। यानी अभी हम उच्च आय वाले देश के छठवें हिस्से के बराबर हैं। चूंकि, वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2047 में उच्च आय वाले देशों की आय सीमा स्वाभाविक ही बहुत अधिक होगी, इसलिए प्रति व्यक्ति आय का हमारा लक्ष्य 15 हजार डॉलर सालाना से अधिक होना चाहिए। भारत को विकसित देश बनाने के लिए आज से 2047 के बीच लगातार आठ प्रतिशत से अधिक की विकास दर पाना जरूरी है। बुनियादी ढांचे में सार्वजनिक पूंजीगत व्यय द्वारा समर्थित निजी निवेश से इस विकास को आगे बढ़ाना होगा। केंद्र सरकार निश्चित रूप से अपना काम कर रही है। जीडीपी में 2014 और 2024 के बीच केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय का हिस्सा जीडीपी के 1.5-1.6 प्रतिशत से दोगुना होकर जीडीपी का 3.0-3.2 प्रतिशत हो गया है। राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन जैसे कार्यक्रमों के साथ-साथ बुनियादी ढांचे में निवेश से इस क्षेत्र में निजी निवेश बढ़ेगा। उच्च विकास दर हासिल करने के लिए विनिर्माण और निर्यात का भी विस्तार होगा। बुनियादी ढांचे में निवेश और व्यापार सुगमता से व्यापार करने की लागत में कमी आएगी। तेजी से उभर रही नई प्रौद्योगिकी के साथ भारत को तकनीकी रूप से छलांग लगाने के लिए नवाचार-समर्थक नियामक दृष्टिकोण की आवश्याकता है। भारत में अनुसंधान व विकास पर ज्यादातर खर्च सार्वजनिक क्षेत्र से ही होता है। खासकर उद्योग 4.0 (एआई, मशीन लर्निंग इत्यादि) में निजी अनुसंधान एवं विकास हमारी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए आवश्यक है। डिजिटल कौशल और साक्षरता पर अधिक जोर दिया जा रहा है इससे कौशल विकास उद्योग आधारित हो जाएंगे। जलवायु कार्रवाई के मामले में भारत सबसे श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जी-20 देशों में से एक है। हरित हाइड्रोजन और नवीकरणीय ऊर्जा के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के साथ सरकार ने निजी निवेश के फलने-फूलने के लिए सक्षम वातावरण बनाया है। अब इस अवसर को साकार करने का समय आ गया है। जब भारत एक विकासित देश के रूप में स्थापित हो। जब तक हम अपनी महिला श्रमबल भागीदारी दर (एलएफपीआर) नहीं बढ़ाते, तब तक भारत विकास नहीं कर सकता। इस समय महिलाओं के लिए भारत की एलएफपीआर 37 प्रतिशत है, जबकि पुरुषों की 80 प्रतिशत है। यह असमानता हालांकि वैश्विक स्तर पर है, लेकिन भारत की औपचारिक अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की काफी गुंजाइश है। महिला नेतृत्व वाले विकास पर सरकार का जोर इस दृष्टिकोण को समाहित करता है। वित्तीय समावेशन इस रणनीति का एक प्रमुख स्तंभ रहा है। अब तक खोले गए 45 करोड़ से ज्यादा बैंक खातों में से करीब आधे महिलाओं के हैं। **शेष पृष्ठ 5 पर देखें**

## रामलला के मुकुट में जड़ा है ये बेशकीमती रत्न, मिलता है सात समंदर पार

**अयोध्या।** अयोध्या के भव्य मंदिर में भगवान राम विराजमान हो गए। रामलला की मनोहर प्रतिमा से नजरें हटाए नहीं हटतीं। रामलला की खूबसूरती के पीछे उनका अलौकिक श्रृंगार भी है। भगवान के परिधान से लेकर ज्वेलरी में बहुमूल्य हीरे, मोती, मणिक, सोना आदि लगा है, जो उन्हें अलौकिक बनाता है। रामलला के मुकुट में एक ऐसा बहुमूल्य रत्न भी जड़ा है, जो भारत से करीब 7000 किलोमीटर दूर पाया जाता है। बेशकीमती है और अपनी चमक के लिए प्रसिद्ध है। रामलला का मुकुट 1700 ग्राम शुद्ध सोने का है। जिसमें 75 कैरेट हीरे लगे हुए हैं। 262 कैरेट रूबी लगा है। इसके अलावा 135 कैरेट जाम्बियन एमराल्ड यानी दुनिया नायाब पन्ना लगा हुआ है। जाम्बियन एमराल्ड को पन्ना की सर्वश्रेष्ठ क्वालिटी कहा जाता है। यह हरे रंग का होता है। अपनी बेशुमार चमक और खूबसूरती के लिए जाना जाता है। जाम्बियन एमराल्ड भारत से करीब 6800 किमी दूर, अफ्रीकी देश जांबिया की खदानों में पाया जाता है। इसकी खुदाई आज भी पारंपरिक तरीके से फावड़ा और कुदाल से होती है। इसके महंगा होने के पीछे यह भी एक वजह है। जांबिया का काजेम माइन दुनिया के कुल पन्नों का 25 फ़ीसदी अकेले सप्लाई करता है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक जाम्बियन एमराल्ड में दूसरे पन्नों के मुकाबले कहीं ज्यादा आयरन होता है। जो इसको चमकदार और खूबसूरत बनाता है। अगर जाम्बियन एमराल्ड की कीमत की बात करें तो एक कैरट करीब 12 से 15000 डॉलर (10 से 12।5 लाख रुपये) के आसपास का होता है। भारत में इसकी कीमत 10 से 40000 कैरेट है, लेकिन शुद्धता में फर्क होता है।

अयोध्या में विराजे रामलला के तमाम गहनों में 'विजयमाला' भी खा गहनों के रूप में पिरोकर भगवान को पहनाया गया है। जिसमें- कमल, कुंज, पारिजात, चंपा और तुलसी शामिल हैं।

रामलला की करधनी या कमरबंद भी बहुत खास है, जो अलौकिकता का प्रतीक है। इसमें रत्नों के गुच्छे लगे हुए हैं। आपको बता दें कि भगवान राम की सारी ज्वेलरी लखनऊ के हरसहायमल श्यामलाल ज्वैलर्स (HSJ Jewellers) ने तैयार की है। जबकि परिधान, दिल्ली के डिजाइनर मनीष त्रिपाठी ने, अयोध्या में रहकर तैयार किया है।

# UPI से पेमेंट का उपयोग करते हैं? 5 प्रमुख बदलावों की जानकारी अवश्य लें

**UPI लाइट वॉलेट के लिए ट्रांजैक्शन की सीमा भी 200 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये कर दी गई है। ये भुगतान बिना इंटरनेट कनेक्शन वाले लोग भी कर सकते हैं।**

**भोपाल।** द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (MPC) की घोषणा में, आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने घोषणा की कि अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को किए जाने वाले UPI भुगतान के लिए ट्रांजैक्शन की सीमा पहले के 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गई है। ऐसा ऑनलाइन भुगतान के लिए UPI को अपनाने के लिए किया गया था।

### इनएक्टिव UPI आईडी को एक्टिव करना

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने बैंकों और गूगल पे, पेटीएम और फोनपे जैसे मोबाइल भुगतान एप्लिकेशन से उन खातों की UPI आईडी और नंबर को इनएक्टिव करने के लिए कहा है जो एक वर्ष से इनएक्टिव हैं। NPCI ने पिछले वर्ष एक घोषणा में कहा, बैंकिंग सिस्टम को अपडेट किए बिना ग्राहकों द्वारा अपना फोन नंबर बदलने पर गलती से गलत लोगों

को पैसे भेजने से बचने के लिए एनपीसीआई ने यह निर्णय लिया गया है।

### UPI लाइट वॉलेट से ट्रांजैक्शन की सीमा बढ़ी

**UPI** लाइट वॉलेट के लिए ट्रांजैक्शन की सीमा भी 200 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये कर दी गई है। ये भुगतान बिना इंटरनेट कनेक्शन वाले लोग भी कर सकते हैं। हालांकि, ऑनलाइन ट्रांसफर की जा सकने वाली अधिकतम राशि 2,000 रुपये है।

### ऑटो भुगतान के लिए ऑथेंटिकेशन नहीं

आरबीआई ने यह भी घोषणा की थी कि क्रेडिट कार्ड रीपेमेंट, म्यूचुअल फंड सब्सक्रिप्शन और बीमा प्रीमियम के लिए 1 लाख रुपये तक के UPI भुगतान के लिए अब अतिरिक्त फैक्टर ऑथेंटिकेशन की आवश्यकता नहीं होगी। घोषणा से पहले, AFA ऑथेंटिकेशन के बिना ट्रांसफर की जा सकने वाली धनराशि की सीमा 15,000 रुपये थी।

### मर्चेंट भुगतान पर इंटरचेंज फीस

NPCI ने पिछले वर्ष व्यापारियों द्वारा किए गए UPI भुगतान पर 1.1 प्रतिशत इंटरचेंज फीस लगाने की घोषणा की थी। यह फीस कुछ व्यापारी भुगतानों पर लागू होती है जहां ट्रांजैक्शन मूल्य 2,000 रुपये से कम है। यदि ट्रांसफर की गई धनराशि 2,000 रुपये से अधिक है तो फीस लागू नहीं होगी।

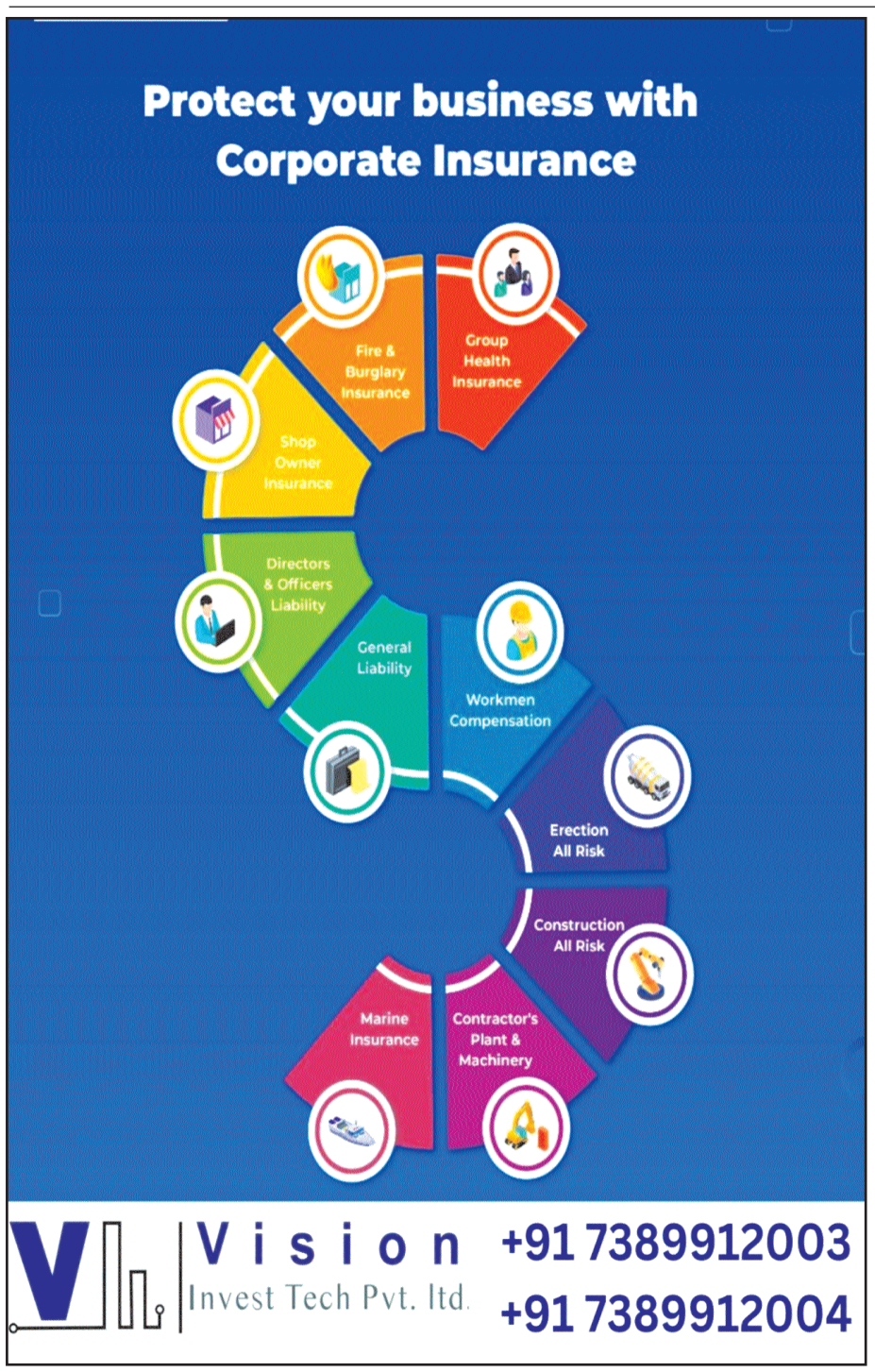


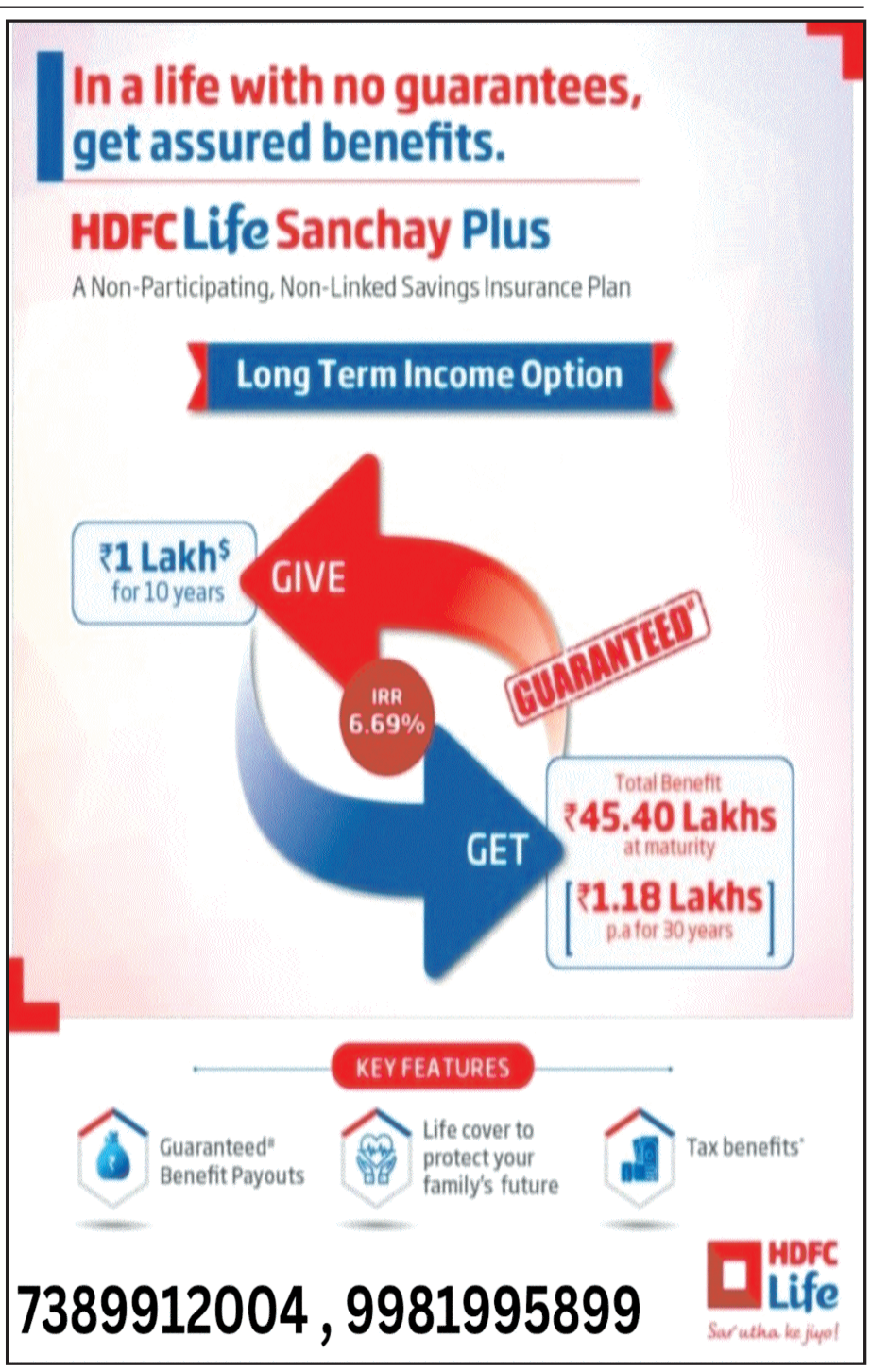

# NPS पर भी PF जैसा फायदा! डिडक्शन पर एक्सट्रा टैक्स छूट

**इस बार लोकसभा चुनाव होने वाले हैं. लेकिन फिर भी बजट से इस बार भी उम्मीदें हैं कि सरकार चुनावों से पहले इनकम टैक्स पर कुछ राहत देती है या नहीं. इसे लेकर अलग-अलग हलकों से मांगें भी उठ रही हैं कि पर्सनल और कॉरपोरेट इनकम टैक्स में कुछ बदलाव लाया जाए.**

Budget 2024 अलग-अलग हलकों से मांगें भी उठ रही हैं कि पर्सनल और कॉरपोरेट इनकम टैक्स में कुछ बदलाव लाया जाए. इसी तरह सरकारी रिटायरमेंट स्कीम NPS (national pension system) पर भी tax exemption को लेकर मांगें उठने लगी हैं.

Budget 2024 अगले महीने देश का बजट पेश होने वाला है. इस बार अंतरिम बजट पेश होने वाला है क्योंकि इस बार लोकसभा चुनाव होने वाले हैं. लेकिन फिर भी बजट से इस बार भी उम्मीदें हैं कि सरकार चुनावों से पहले इनकम टैक्स पर कुछ राहत देती है या नहीं. इसे लेकर अलग-अलग हलकों से मांगें भी उठ रही हैं कि पर्सनल और कॉरपोरेट इनकम टैक्स में कुछ बदलाव लाया जाए. इसी तरह सरकारी रिटायरमेंट स्कीम NPS (national pension system) पर भी tax exemption को लेकर मांगें उठने लगी हैं. NPS का ऑपरेशन देखने वाले पेंशन नियामक PFRD (पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण) की ओर से पिछले साल से इसपर टैक्स छूट का सुझाव रखा जा रहा है.

### क्या है PFRDA की मांग?

PFRDA के प्रमुख दीपक मोहंती ने अभी पिछले दिनों NPS में टैक्स एग्जेम्प्शन को लेकर फिर से बात दोहराई. वो इसके पहले पिछले साल नवंबर में भी ये जरूरत सामने रख चुके हैं. उनका कहना है कि NPS में जो एंप्लॉई कॉन्ट्रिब्यूशन की तरफ से निवेश जाता है, उस पर EPFO की योजना PF (Provident Fund) की तर्ज पर टैक्स छूट दी जाए. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोहंती ने कहा कि PFRDA ने अभी छूट को 12 फीसदी बढ़ाने का आग्रह किया है, जैसाकि पीएफ पर होता है. लेकिन उनका लक्ष्य इसे 14 फीसदी पर ले जाना है, जैसाकि सरकारी कर्मचारियों के लिए 14 फीसदी तक का कॉन्ट्रिब्यूशन टैक्स फ्री है.

### क्या है अभी नियम?

क्या मतलब है इसका? दरअसल, PF में इंप्लॉयर की तरफ से किए जाने वाले कॉन्ट्रिब्यूशन पर सैलरी (बेसिक+महंगाई भत्ता) का 12 फीसदी डिडक्टिबल होता है, इसमें अधिकतम लिमिट 7.5 लाख की होती है. इस कॉन्ट्रिब्यूशन पर मिलने वाले ब्याज पर टैक्स नहीं लगता है. इसके उलट, NPS में इंप्लॉयर के कॉन्ट्रिब्यूशन पर सैलरी (बेसिक+महंगाई भत्ता) के 10 फीसदी हिस्से पर ही टैक्स छूट मिलती है.

देखिए, इंप्लॉयर या कॉरपोरेट कंपनियां Income Tax Act के सेक्शन 80CCD(2) के तहत NPS में अपने कॉन्ट्रिब्यूशन पर टैक्स बेनेफिट क्लेम कर सकती हैं. वो अपने इंप्लॉई की सैलरी का 10 फीसदी डिडक्शन क्लेम कर सकते हैं, और इसे बिजनेस खर्च के तौर पर दिखा सकते हैं. यहां अधिकतम डिडक्शन 7.5 लाख तक की ही ली जा सकती है. इसके पहले PFRD चीफ ने पिछले साल नवंबर में भी यही मांग दोहराई थी और इसके साथ ही कहा था कि इस स्कीम में सिस्टेमैटिक लमसम विदड्रॉल को 100 फीसदी कर दिया जाना चाहिए. SWL को लेकर PFRDA ने नया नियम भी जारी कर दिया है. अभी सब्सक्राइबर को चरणबद्ध तरीके से लमसम निकालने की सिस्टेमैटिक लमसम विदड्रॉल सुविधा मिलेगी. अब सब्सक्राइबर्स अपने पेंशन कॉर्पस का 60 फीसदी हिस्सा 75 साल की उम्र तक मासिक, तिमाही, अर्धवार्षिक या सालाना तौर पर निकालने का विकल्प चुन सकते हैं.

MUTUAL FUND INVESTMENTS ARE SUBJECT TO MARKET RISKS, READ ALL SCHEME RELATED DOCUMENTS CAREFULLY.

Timing is everything in investing, and it's Invest O'Clock now! Don't wait any longer - dive into SIP and let your money work for you.

# अपने स्टार्टअप को बनाना है सफल तो काम आएंगी ये जानकारी

**भोपाल।** अभी भले ही स्टार्टअप के लिए फंडिंग विंटर चल रहा हो, लेकिन सरकार लगातार स्टार्टअप को बढ़ावा दे रही है। कई लोग अपना बिजनेस तो शुरू कर देते हैं, लेकिन उन्हें सफलता प्राप्त नहीं होती। जिसका बड़ा कारण फंडिग और सही प्लानिंग की कमी होता है। बड़े-बड़े स्टार्टअप को फंडिंग नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों की छंटनी भी बढ़ती जा रही है। लेकिन यदि स्टार्टअप सही प्लानिंग से आगे बढ़ते हैं तो सफलता अवश्यसंभावी होती है।

**आईबीएम की चौंकाने वाली रिपोर्ट** : आईबीएम की एक रिपोर्ट के अनुसार 91 प्रतिशत स्टार्टअप जो शुरुआत के पांच सालों के अंदर ही बंद हो जाते हैं। यदि आप भी अपना स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं तो पहले आवश्यक टिप्सजरूर जान लें। ताकि आपके बिजनेस को सफलता प्राप्त हो सके।

**अच्छे कर्मचारी की आवश्यकता है** : किसी भी बिजनेस के सफल होने के लिए जरूरी है कि आपके साथ अच्छे लोग काम कर रहे हो। एक अच्छी टीम से बिजनेस में आसानी से सफलता पाई जा सकती है। हार्डवर्क बहुत आवश्यक है। लेकिन कई मामलों में स्मार्ट वर्क काम आता है। इसलिए जब भी कर्मचारियों की हायरिंग करें तो कैपिबल लोगों को ही नौकरी पर रखें। जो किसी भी बिजनेस के लिए आवश्यक होते हैं।

**बिजनेस में सबसे अधिक आवश्यक है ग्राहकों को रोकना। जैसे आपके ग्राहकों की संख्या बढ़ेगी वैसे-वैसे सफलता बढ़ती जाएगी। जब आपके बिजनेस में सेल बढ़ेगी, ग्राहक रुकेंगे तो मुनाफा भी बढ़ेगा। ग्राहकों की आवश्यकताओं को समझते हुए अपना प्रोडक्ट तैयार करें। कस्टमर रिटेंशन के आधार पर आपको अच्छा फंड भी प्राप्त हो सकता है।**

**ग्राहक को कैसे रोकें** : बिजनेस में सबसे अधिक आवश्यक है ग्राहकों को रोकना। जैसे आपके ग्राहकों की संख्या बढ़ेगी वैसे-वैसे सफलता बढ़ती जाएगी। जब आपके बिजनेस में सेल बढ़ेगी, ग्राहक रुकेंगे तो मुनाफा भी बढ़ेगा। ग्राहकों की आवश्यकताओं को समझते हुए अपना प्रोडक्ट तैयार करें। कस्टमर रिटेंशन के आधार पर आपको अच्छा फंड भी प्राप्त हो सकता है।

**सेल्स फनल आवश्यक है** : ग्राहकों को अपने बिजनेस की पूरी जानकारी दें। प्रोडक्ट के बारे में बताने से लेकर उसे बेचने के लिए भी प्लान पहले से ही तैयार रखें। सेल्स बढ़ाने के लिए अक्सर बिजनेस ऐसा मार्केटिंग फनल बनाते हैं जिससे नए ग्राहक बिजनेस से जुड़ते जाए।

**अपने प्रतिद्वंद्वियों की जानकारी हो** : जिस भी बिजनेस को शुरू करना चाह रहे हैं उसके बारे में जानकारी प्राप्त करने के साथ ही उसके प्रतिद्वंद्वी कंपनियों की भी जानकारी पहले ही प्राप्त कर लें। कहां आपके प्रोडक्ट की मांग रहेगी और कहां नहीं इस बारे में भी पता लग जाएगा। आपके प्रोडक्ट को लोग मार्केट में उपलब्ध दूसरे प्रोडक्ट से अधिक क्यों पसंद करें। इस बात की भी जानकारी होनी चाहिए। ताकि आपकी सफलता सुनिश्चित हो सके।

HDFC Life
Presenting - NFO (New Fund Offer)
HDFC Life Flexi Cap Fund
( Benchmark- NSE NIFTY 500 )
Opportunity to grab Rs 10 NAV
Invest With Flexibility In Today's Leaders And Tomorrow's Growing Champions
Large Cap Top 100 Companies + Mid Cap Top 100 To 250 Companies + Small Cap Top 250 to 500 Companies = HDFC Life Flexi Cap Fund Top 500 Companies
WHY INVEST IN NFO - SEE OUR HISTORY IN NFO

| NFO- Fund Name | Launch Date | Current NAV | % Return From Inception |
|---|---|---|---|
| Growth Fund | 02-Jan-2004 | 337 | 14.57 % |
| Opportunity Fund | 05-Jan-2010 | 56.51 | 19.50 % |
| Blue Chip Fund | 05-Jan-2010 | 39.96 | 13.10 % |
| Diversified Fund | 01-Jul-2014 | 32.12 | 14.06 % |
| Discovery Fund | 03-Sept-2018 | 27.46 | 22.25 % |

Investment Flexibility: Across Large cap, mid cap & small cap companies
Security: Life cover to secure your loved ones' Future
Fund Manager Expertise: Growth- focused team to guide you

- Tax Benefit u/s 80c
- Tax Free Maturity u/s 10(10D)
- Minimum investment Period 5 yr.
- Partial Withdrwal
- No Switching Charge
- Single, Regular & Limited Pay

: This Fund Is Available With :
HDFC Life Smart Protect Plan (Entry Age-18)
( Minimum investment Per year - 60k )
HDFC Life Sampoorn Nivesh Plan (Entry Age-0)
( Minimum investment Per year - 30k )
HURRY - NFO CLOSES ON 20th OCT 2023
Contact us...
7389912003

Call For More Details
7389912004, 9981995899
HDFC ERGO
Take it easy!
Make the smart move today, for a secure tomorrow
Secure yourself from future uncertainties with HDFC ERGO's
PERSONAL ACCIDENT by my:health Koti Suraksha
Now get bigger health coverage at just a nominal cost.
*Reasons to buy this product
Accidental Death
Permanent Disability (Table D)
Temperary Total Disability
Emergency Medical Expenses
Parental Care Benefit
Dependent Children Education Benefit
Hospital Cash Benefit
Broken Bones
Last Rites Cost - Accident only
Burns
Why Choose Us?
1.5+ Crore Active Customers@
13,000+ Cashless Health Care Providers**
Quick & Easy Cashless Claim Processing
24x7 Call Centre in 10 Languages/ Claim Processing

# एसआईपी में लांग टाइम निवेश करने जा रहे हैं तो ये बातें ध्यान रखें

**भोपाल।** SIP यानी Systematic Investment Plan को वर्तमान में इनवेस्टमेंट का बेहतरीन ऑप्शन माना जाता है। मार्केट लिंक्ड होने के बावजूद इसे सीधेतौर पर स्टॉक्स में पैसा लगाने की तुलना में कम जोखिमभरा माना जाता है। SIP के माध्यम से म्यूचुअल फंड्स में पैसा लगाया जाता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार मार्केट लिंक्ड होने के कारण इसमें गारंटीड रिटर्न तो नहीं होता, लेकिन औसतन रिटर्न 12 प्रतिशत तक मिल जाता है जो आज के समय में चलने वाली तमाम स्कीम्स की तुलना में काफी अच्छा है। 5यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में एसआईपी म्यूचुअल फंड्स में में निवेश करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। लेकिन अगर आप लॉन्ग टाइम के लिए एसआईपी में निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो आपको तीन बातों का विशेष तौर पर ध्यान रखना चाहिए। इससे आप काफी अच्छा लाभ कमा सकते हैं।

> एक्सपर्ट्स के अनुसार मार्केट लिंक्ड होने के कारण इसमें गारंटीड रिटर्न तो नहीं होता, लेकिन औसतन रिटर्न 12 प्रतिशत तक मिल जाता है जो आज के समय में चलने वाली तमाम स्कीम्स की तुलना में काफी अच्छा है।
>
> आप लॉन्ग टाइम के लिए एसआईपी में निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो आपको तीन बातों का विशेष तौर पर ध्यान रखना चाहिए। इससे आप काफी अच्छा लाभ कमा सकते हैं।

### अनुशासन में निवेश करें

अगर आप एसआईपी के जरिए वेल्थ क्रिएट करना चाहते हैं तो आपको निवेश के मामले में अनुशासित रहना होगा। मतलब अगर आपने एक बार निवेश शुरू किया है, तो इसे लगातार जारी रखें। लंबे समय के लिए शुरू की है एसआईपी तो इसे बीच में न रोकें और न ही बीच में पैसा निकालें। एसआईपी को आप बेशक कम रकम के साथ शुरू करें, लेकिन अगर आप इसे लंबे समय तक अनुशासन के साथ जारी रखते हैं तो काफी अच्छा-खासा मुनाफा कमा सकते हैं। अगर आप लंबे समय के लिए SIP शुरू कर रहे हैं, तो बहुत ज्यादा बड़े अमाउंट के साथ इसे शुरू न करें। इसकी वजह है कि कई बार कुछ विशेष परिस्थितियों के चलते बड़े अमाउंट की एसआईपी को लोग लगातार जारी नहीं रख पाते हैं। ऐसे में एसआईपी बीच में ही बंद हो जाती है, जिसके कारण आप इसका बहुत अच्छा लाभ नहीं कमा पाते।

### टॉप अप करें

एसआईपी के माध्यम से मोटा फंड इकट्ठा करने का एक और बेहतर तरीका ये है कि जिस रकम से आपने एसआईपी को शुरू किया है, उसमें हर साल थोड़ा पैसा बढ़ाते रहें। अगर आप हर साल 10 प्रतिशत या 5 प्रतिशत के हिसाब से भी SIP टॉप-अप करते हैं तो आगे चलकर आपको इसका काफी लाभ होगा।

### प्रथम पृष्ठ का शेष, भारत की ओर देख रही है पूरी दुनिया

पीएम मुद्रा योजना के तहत बांटे गए सूक्ष्म ऋणों में से दो-तिहाई महिला उद्यमियों को दिए गए हैं। प्रशासनिक एवं निर्वाचित भूमिकाओं में महिलाओं के नेतृत्व एवं प्रतिनिधित्व से भी उनकी भागीदारी बढ़ेगी। हाल ही में सरकार ने संसद में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित करने के लिए ऐतिहासिक विधेयक पारित किया है।

इसके अलावा, भारत की पर्यटन क्षमता का पूरी तरह से दोहन नहीं किया गया है। इसके लिए सरकार प्रयास कर रही है। चुकि यह क्षेत्र विकास और रोजगार को काफी बढ़ा सकता है। लेकिन इन क्षेत्रों में विकास ऐसा होना चाहिए, जिससे प्राकृतिक सुंदरता और विरासतों का संरक्षण हो। जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ रहा है, स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे होने तक सरकार, निजी क्षेत्र और समाज मिलकर समग्र और सहयोगात्मक प्रयास से एक विकसित और संपन्न राष्ट्र के दृष्टिकोण को साकार कर सकते हैं। रणनीतिक कार्रवाई, नवाचार, स्थिरता और समावेशिता के जरिये भारत एक समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

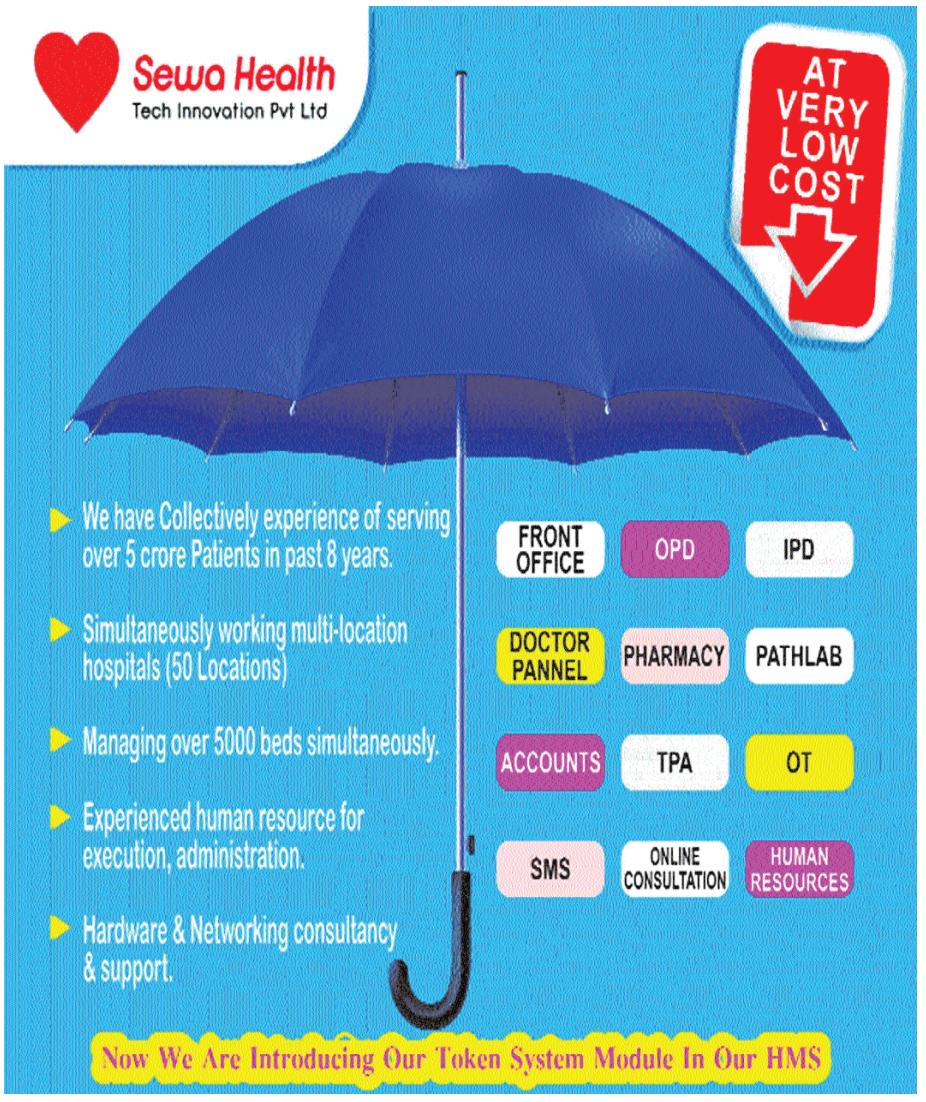

संपादकीय

■ अवनीश तिवारी | सहायक संपादक

## अयोध्या से अर्थ व्यवस्था को मिलेगी मजबूती

मंदिर और विकास को पारंपरिक रूप से परस्पर अलग रूप में देखा जाता है, लेकिन अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण ने यह सिद्ध कर दिया है कि वे वास्तव में परस्पर समावेशी हो सकते हैं। राम मंदिर सिर्फ धर्म के बारे में नहीं है, बल्कि व्यापार और अर्थव्यवस्था के बारे में भी है। यह बात अयोध्या में सिद्ध हो गई है। भारत को विकसित देश बनाने के अभियान को अयोध्या से नई गति मिल रही है। अयोध्या में 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इंफ्रास्ट्रक्चर के ये कार्य आधुनिक अयोध्या को एक बार फिर देश के मानचित्र पर गौरव के साथ स्थापित करेंगे।

मंदिर परिसर के अलावा, अयोध्या ने कई विकासात्मक और बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं के लिए धन आकर्षित किया है, जो न केवल शहर में और उसके आसपास पर्यटन को बढ़ावा देगा बल्कि शहर को एक क्षेत्रीय विकास केंद्र में बदल देगा जो व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा। मास्टर प्लान 2031 के अनुसार अयोध्या का पुनर्विकास राम मंदिर के उद्घाटन के बाद लगभग 3 लाख लोगों के प्रतिदिन आएंगे उसी को देखते हुए, विकास कार्य को लगभग 85,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ 10 वर्षों में पूरा किया जाएगा। 875 वर्ग किमी के अयोध्या विकास प्राधिकरण क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और पर्यटन विकास की पहचान को समाहित करता है, जिसमें 133 वर्ग किमी का वर्तमान मास्टर नियोजित शहर क्षेत्र और 31.5 वर्ग किमी का मुख्य शहर शामिल है। डिज़ाइन विज़न में सभी आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं जो 21वीं सदी में एक विश्व स्तरीय शहर में होनी चाहिए।

अनुमान के अनुसार, शहर में निवासियों और पर्यटकों का अनुपात 1.10 होने की संभावना है, इसीलिए ग्रीनफील्ड टाउनशिप में सभी प्रकार के आगंतुकों के लिए राज्य अतिथि गृह, होटल और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वाणिज्यिक परिसरों का प्रावधान होगा। यूपी सरकार के लोक निर्माण विभाग ने भी लगभग 7,500 करोड़ रुपये की 34 परियोजनाएं शुरू की हैं। हवाई अड्डे, रेलवे और राजमार्ग इस उन्नयन के प्रमुख भाग हैं। जैसे-जैसे पैसा आएगा, लोगों के पास कई अवसर होंगे और इन अवसरों के साथ-साथ क्षेत्र में निवेश भी बढ़ेगा। एफएमसीजी कंपनियां और खाद्य सेवा श्रृंखलाएं 22 जनवरी से राम मंदिर की प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या की ओर रुख कर रही हैं, बिसलेरी इंटरनेशनल अयोध्या में एक ग्रीनफील्ड प्लांट स्थापित कर रही हैं। यूपी पर्यटन विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि जहां 2021 में 325,000 पर्यटकों ने अयोध्या का दौरा किया, वहीं अगले वर्ष यह संख्या बढ़कर 23.9 करोड़ हो गई। इसी को देखते हुए ताज, रेडिसन और आईटीसी होटल जैसे प्रमुख 5-सितारा ब्रांडों से लेकर ओयो जैसे दिग्गज, कंपनियां नए होटल खोलने के लिए कतार में हैं।

# अयोध्या की सड़कों पर ब्रांड बाजार : ITC से लेकर HDFC

भोपाल। अयोध्या में 22 जनवरी को नव-निर्मित राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह हो रहा है। इस समारोह में भाग लेने के लिए अयोध्या में पर्यटकों और हाई-प्रोफाइल मेहमानों का जमावड़ा होने वाला है। उनके स्वागत के लिए पूरी अयोध्या सज गई है। इसी अवसर का लाभ कॉरपोरेट जगत भी उठाने को तैयार हैं। अयोध्या की सड़कों पर आपको इसकी झलक खूब दिखेगी। उल्लेखनीय है, कि अयोध्या में नव-निर्मित राम मंदिर के आसपास तो ब्रांड की इंट्री नहीं हो पाई है, लेकिन पुराने शहर, पुराने मंदिर, सरयू के तट, सब जगह आपको ब्रांड की झलक दिखगी। देश के शीर्ष ब्रांड इस समारोह का लाभ उठाने के लिए इस मेगा इवेंट लेने के लिए कतार में लग गए हैं। वहां ता कुछ ऐसे भी ब्रांड देखने को मिलेगे, जिनकी हिंदी बेल्ट में अभी कोई खास उपस्थिति नहीं है।

**देश विदेश के मेहमान** : 22 जनवरी को होने वाले समारोह में देश भर से मेहमान आएंगे ही, विदेशों से भी कुछ मेहमान आने वाले हैं। भगवान राम की ससुराल यानी नेपाल से भी उनके भक्त आ रहे हैं। इसलिए कॉरपोरेट जगत को लग रहा है कि वहां अपनी छाप अवश्य छोड़ी जाए।

**विज्ञापनदाताओं का समय** : एफएमसीजी कंपनी आईटीसी के होर्डिंग वहां जगह जगह नजर आ रहे हैं। आईटीसी के अगरबत्ती बिजनेस के चीफ एक्जीक्यूटिव गौरव तायल का कहना है कि यह ब्रांडिंग के लिए उपयुक्त समय है। यह एक ऐतिहासिक और पवित्र पल है जहां अपनी उपस्थिति को बेहतर तरीके से दर्ज कराया जा सकता है।

**श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की सेवा** : तायल का कहना है कि इसी बहाने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की सेवा का अवसर भी मिल रहा है। कंपनियां इस समय अयोध्या को सजाने संवारने में तो योगादन कर ही रही हैं, श्रद्धालुओं की सेवा का अवसर भी मिल रहा है। कंपनियां सरयू के तट पर चेंजिंग रूम बना कर सेवा कर रहे हैं।

**बढ़-चढ़ कर हिस्सा** : इस समय दिवाली-क्रिसमस-न्यू ईयर बीत चुका है। आईपीएल जैसे बड़े इवेंट में अभी तीन महीने की देरी है। ऐसे में कॉरपोट्स को अपनी उपस्थिति दिखाने के लिए प्राण प्रतिष्ठा समारोह बेहतरीन अवसर है। इसलिए बैंक से लेकर एफएमसीजी कंपनी तक इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं।

**मीडिया में भी शुरू हो गया है अभियान**

कॉरपोरेट्स ने इस अवसर पर मीडिया में भी अभियान शुरू कर दिया है। बीते 17 जनवरी से ही स्थानीय अखबारों में आधे-आधे पेज का विज्ञापन आने लगा है। बताया जाता है कि यह कैम्पेन 23 जनवरी तक चलेगा। इस अवसर पर टीवी कामर्शियल, डिजिटल कामर्शियल और आउटडोर एडवर्टिजमेंट की लॉन्च किया जा रहा है।

## WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

Anil Bhardwaj
Technical Head
anilstockcare@gmail.com

All level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is Trigger Point for buy/sell Based on the price range of the previous Month R1: Resistance one: 1st Resistance over PP. R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1.S1: Support one: 1st support after PP. S2: Support Two: 2nd support after S1. 1)

- As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and teh first target would be R1.2)
- If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1. 3)
- If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
- Similarly if price goes below PP the trader should SELL and keep the PP as stop loss and the first target would be S1.
- If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1.
- If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

| Stock name | R3 | R2 | R1 | PP | S1 | S2 | S3 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| NIFTY | 22879 | 22501 | 22043 | 21665 | 21207 | 20829 | 20371 |
| BANK NIFTY | 50613 | 49457 | 47782 | 45626 | 44951 | 43795 | 42120 |
| ACC | 2494 | 2419 | 2351 | 2276 | 2208 | 2133 | 2065 |
| ALKYAMINES | 2612 | 2550 | 2454 | 2392 | 2296 | 2234 | 2138 |
| AXISBANK | 1200 | 1165 | 1141 | 1106 | 1082 | 1047 | 1023 |
| BHARTIARTL | 1214 | 1176 | 1149 | 1111 | 1084 | 1046 | 1019 |
| CIPLA | 1413 | 1375 | 1344 | 1306 | 1275 | 1237 | 1206 |
| DLF | 860 | 838 | 807 | 785 | 754 | 732 | 701 |
| ESCORTS | 3202 | 3104 | 3020 | 2922 | 2838 | 2740 | 2656 |
| GSPL | 414 | 384 | 366 | 336 | 317 | 288 | 270 |
| GRINFRAPOJECT | 1249 | 1212 | 1184 | 1147 | 1119 | 1082 | 1054 |
| HDFCBANK | 1833 | 1758 | 1619 | 1544 | 1405 | 1330 | 1191 |
| HCLTECH | 1688 | 1649 | 1597 | 1558 | 1506 | 1467 | 1415 |
| HINDALCO | 618 | 601 | 580 | 564 | 543 | 527 | 506 |
| HINDUNILVR | 2665 | 2624 | 2547 | 2506 | 2429 | 2388 | 2311 |
| IRCT | 1270 | 1159 | 1092 | 981 | 914 | 803 | 736 |
| ICICIBANK | 1074 | 1045 | 1028 | 999 | 982 | 953 | 936 |
| IEX | 193 | 180 | 161 | 148 | 129 | 116 | 98 |
| INFY | 1718 | 1693 | 1671 | 1646 | 1624 | 1599 | 1577 |
| ITC | 500 | 488 | 478 | 466 | 456 | 444 | 434 |
| KOTAKBNK | 1968 | 1914 | 1862 | 1808 | 1756 | 1702 | 1650 |
| LT | 3837 | 3753 | 3695 | 3611 | 3553 | 3469 | 3411 |
| LUPIN | 1531 | 1490 | 1450 | 1409 | 1369 | 1328 | 1288 |
| MARUTI | 10726 | 10483 | 10227 | 9984 | 9728 | 9485 | 9229 |
| M&M | 1758 | 1714 | 1669 | 1625 | 1580 | 1536 | 1491 |
| MGL | 1464 | 1404 | 1362 | 1302 | 1260 | 1200 | 1158 |
| NCC | 234 | 221 | 212 | 199 | 190 | 177 | 168 |
| RELIANCE | 2865 | 2829 | 2773 | 2737 | 2681 | 2645 | 2589 |
| RECLTD | 541 | 406 | 482 | 447 | 423 | 388 | 364 |
| SBIN | 670 | 657 | 644 | 631 | 618 | 605 | 592 |
| SBICARD | 803 | 789 | 767 | 753 | 731 | 717 | 695 |
| SUNPHARMA | 1408 | 1377 | 1352 | 1321 | 1296 | 1265 | 1240 |
| TITAN | 3997 | 3928 | 3857 | 3788 | 3717 | 3648 | 3577 |
| TCS | 4086 | 4025 | 3942 | 3881 | 3798 | 3737 | 3654 |
| TATASTEEL | 148 | 143 | 138 | 133 | 128 | 123 | 118 |
| TATAMOTORS | 862 | 844 | 832 | 814 | 802 | 784 | 772 |
| UPL | 601 | 586 | 569 | 554 | 537 | 522 | 505 |
| WIPRO | 563 | 542 | 510 | 489 | 457 | 436 | 404 |

# The irreversible, irreplaceable, Irreplicable Moat of New Bharat

The World is in chaos, whilst Bharat is moving from strength to strength.

What happened in the last 9 – 9.5 years that changed the trajectory of Bharat from being a subdued third World country to emerging as a Vishwa guru becoming the leading and guiding force in troubled times of Covid as well as lending a helping hand when catastrophes like Earthquake struck not so friendly nations like Turkey and Syria.

The intent, the thinking, the actions that the present government at the centre and the present scheme of things are reflecting upon can be summed in two simple shlokas in Sanskrit.

Meaning: Dedication, Steadfastness and Truth.

The one who remains dedicated, committed, and undeterred to the end goal with a staunch, unflinching, relentless resolute, is the one who experiences the success and win of the truth.

Meaning: Let all beings be happy and free, and let the thoughts, words, and actions of one's own life contribute towards that happiness and freedom for every being.

Steadfastness and bringing the last mile change, correcting the weakest link in the socio-economic hierarchy has been the defining and decisive point of the present-day government that makes it unique and simply phenomenal.

Bharat has been able to help Bharat's structural reforms in the last decade enabling it to become AtmaNirbhar. Let's understand those reforms in brief. A short Note is not sufficient to cover the note in detail and thus summarizes it .

1.Reduction in WACC + Democratization of Capital–

One has been reading about the rise in Profitability and majestic escalation in the stock price of PSU Banks. Additionally, Capex created by the government has multiplied in recent years….

Why?

**Who has funded this money?**

Thanks to the first financial initiative or reform that came along with the present government – JAN DHAN. Till today over 500 million Jan Dhan accounts have been set up, ensuring a seamless flow of money from individuals to institutions thereby reducing the Weighted Average Cost of Capital for good for Bharat forever.

Just a decade and a half back starting a company or a business was a daunting experience as it involved mammoth permissions and most importantly with limited or no access to capital. Only the ones with connections or who were in the close coterie of Power corridors were extended this courtesy, the rest were queued up as if they were seeking alms, not loans. With the cost of financing reducing, and Jan Dhan enabling the gush of money in the legitimate financial system, there has been massive democratization of capital, leading to a resurgence of entrepreneurial instincts.

Bharat has been always an entrepreneurial nation and invaders along with Britishers created corporate slavery. But this change is creating more entrepreneurs who are willing to create their livelihood and provide livelihood to several others.

**2.Nipping the Leakage + Digitization enabling Transparency**

2013 was a year when Bharat saw uproar, anguish and anger against corruption. When the new government took over in 2014, the first step, the first focus and the first direction the government took was to eliminate corruption.

Demonetization in 2016 and subsequent partial demonetization in 2023 were a result of such initiatives. Additionally, the sustenance of such a situation where leakage continues to be nipped could only be achieved by transparency and pellucidity. Digitization across all government offices created transparency at the highest level.

Further Digitization improved the velocity of money as well as disintermediation, and thus the end consumer got the services not only faster but cheaper as well.

3.Capex Not Opex + Inclusion –

A few years ago in 2019, the Government of Bharat announced 100 lakh crores of National Infrastructure Pipeline aimed at creating jobs, creating infrastructure for trade and commerce, and creating a multiplier effect believing that it will propel consumption, capex, and investments. Many mocked it at the time but today, it has enabled Bharat to stand out as an oasis when the world is petrified with possible collapse in their financial systems.

Furthermore, capex spending creates a circular effect across all sectors thereby impacting the last man standing and that is visible with the way poverty has been alleviated through the last 8-9 years.

**Thus Siddhartha Rastogi says,**

"With three unshakable pillars of Digitization, democratization of capital, converting domestically oriented economy into export-oriented economy, conjoined with unparalleled reforms, irreversible resolves, and exceptional execution, Bharat will emerge as the largest economy in the world, transforming herself from a developing economy to a developed nation, getting three fourth of her households to edge up into middle class, housing, healthcare, hygiene for everyone equipped by ethics, education and entrepreneurial instincts by 2047."

P.S.- Views are personal and may not constitute the views of the organization where the Author is employed.

# अयोध्या में 25 हजार लोगों को मिलेगी नौकरी, जानिए किस कार्य के लिए अधिक अवसर

**अयोध्या।** अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है। लोग घंटों लाइन में लग कर रामलला के दर्शानों के लिए प्रतीक्षा कर रहे हैं। एक ओर जहां पूरे देश में इसे लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है, तो वहीं दूसरी ओर बड़ी-बड़ी कंपनियां अब अयोध्या को बिजनेस हब के रूप में देख रही हैं और वहां कारोबार जमाने की तैयारी कर रही हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में खासकर हॉस्पिटैलिटी, ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर में हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होने की आशा जताई जा रही है।

### हर रोज पहुंचेंगे 3-4 लाख श्रद्धालु

एक रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि राम मंदिर में रामलला के दर्शनों के लिए यहां हर रोज लगभग 3 से 4 लाख श्रद्धालु आ सकते हैं। एक एंजेसी की मानें तो इस हिसाब से देखें तो ये स्थान अब एक ग्लोबल टूरिज्म सेंटर में तब्दील होने जा रहा है। राम मंदिर निर्माण कार्य शुरू होने के साथ ही यहां पर पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद में हॉस्पिटैलिटी, ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर में डिमांड बढ़ती दिख रही है और ये आने वाले वर्षों में और तेजी से बढ़ेगी।

### अयोध्या के पास के शहरों में भी बढ़ेगा रोजगार

रिपोर्ट में कहा गया है कि राम मंदिर का निर्माण कार्य शुरू होने के बाद से बीते छह माह में ही 10000 से ज्यादा नई जॉब्स क्रिएट हुई हैं। इनमें से ज्यादातर होटल बिजनेस से संबंधित हैं। उन्होंने अनुमान जाहिर करते हुए कहा है कि इस वर्ष के अंत या 2025 की पहली छमाही में हजारों और नौकरियां पैदा हो सकती हैं। ये जॉब्स ना केवल अयोध्या बल्कि आस-पास के कई शहरों में भी मिलेंगी। कई कंपनियां अपनी ऑफिस यहा खोलना चाहते हैं, जिसके लिए जगह नहीं मिल पा रही हैं। जो कि रियल स्टेट के लिए भी बड़ी संभावना देखने को मिल रही है।

### इन नौकरियों की डिमांड

सूत्रों के अनुसार, हर वर्ष जैसे-जैसे अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी होगी, यहां पर स्थानीय स्तर पर 20,000 से 25,000 नए रोजगार पैदा होंगे, इनमें परमानेंट और रेग्युलर जॉब्स शामिल हैं। किसी भी अन्य पर्यटन स्थल की तरह ही अयोध्या में भी जिन नौकरियों में बूम देखने को मिलेगा, उनमें होटल स्टाफ, हाउसकीपिंग, फ्रंट-डेस्क मैनेजर, शेफ और मल्टीलिंगुअल टूर गाइड शामिल हैं। हॉस्पिटैलिटी और टूर एंड ट्रैवल सेक्टर में किस कदर तेजी आएगी इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कई कंपनियों की नजरें आयोध्या पर टिकी हुई हैं। खासकर होटल बिजनेस को लेकर Taj से ओबेरॉय तक बड़ी-बड़ी कंपनियां आयोध्या की ओर रुख कर रही हैं।

### होटल कंपनिया निवेश की तैयारी में

फिलहाल, अयोध्या में लग्जरी होटल्स की बात करें, तो यहां पर सिग्नेट कलेक्शन होटल, द रामायण होटल, नमस्ते अयोध्या और अयोध्या रेजिडेंसी हैं। जबकि, इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (IHCL) ने पहले से ही यहां पर दो प्रोजेक्ट तय किए हैं, जिसमें ताज और विवांता जैसे ब्रांड शामिल हैं। इसके अलावा, मैरियट इंटरनेशनल, सरोवर होटल्स एंड रिसॉर्ट, जएलएल ग्रुप और रेडिसन का पार्क इंक अयोध्या में होटल सेक्टर में बड़ा निवेश करने जा रही हैं।

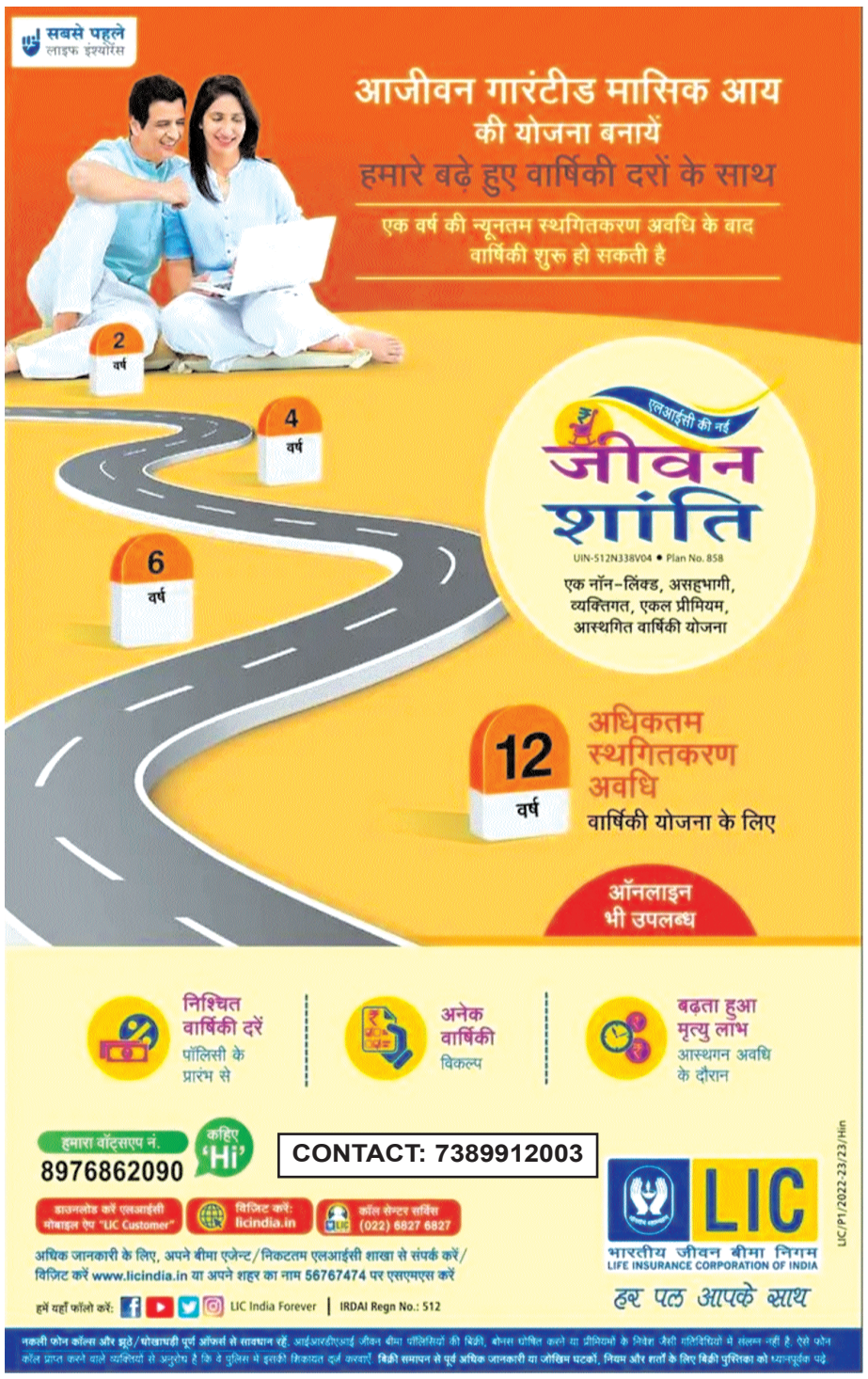

प्रकाशक एवं मुद्रक : प्रदीप करम्बेलकर, सी-101, नेहरू नगर द्वारा स्वात्वाधिकार विजन एडवायजरी सर्विसेस प्रा.लि. प्लॉट नं.-36, ई-सेकण्ड फ्लोर, जोन-2, एम.पी. नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित एवं महक ग्राफिक्स एण्ड ऑफसेट, प्लॉट नं.-4, वैभव काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक प्रदीप करम्बेलकर (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) फोन : 91-0755-2555186, 2555217 वेबसाइट : 222.investmentavenues.in ईमेल : contactinvestmentavenues@gmail.com